हिंदी (आधार) विषय कोड – (302)

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र*

कक्षा – बारहवीं (2025-26)

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80 अंक**

<u>सामान्य निर्देश :-</u>

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्न संख्या	**खंड - क (अपठित बोध)**	**अंक (18)**
1.	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए:-	**(10)**
	मिट्टी का जो अर्थ पृथ्वी के लिए है, वही शिक्षकों का समाज के लिए है। जैसे मिट्टी पृथ्वी को बनाती है, शिक्षक वह आधार है, जिससे मानव पीढ़ी-दर-पीढ़ी हर प्रकार से सहायता पाता है तथा ज्ञान अर्जित कर काम करता है। जैसे मिट्टी बीज को संरक्षण देती है और पौधे की जड़ों की भौतिक रूप से मदद करती है कि वे उपजे बढ़ें, पूर्णतः विकसित होकर बीज बनाएँ और जीवन चक्र पूरा करें, वैसे ही शिक्षक युवा मन को तैयार करते हैं, मार्गदर्शन करते हैं कि वे सफल हों और विकास का केंद्र बनें। जैसे मिट्टी में सही अनुपात में तत्त्व उपलब्ध होते हैं और जो पौधे उसमें उग रहे हैं, मिट्टी उन्हें पोषक तत्त्व उपलब्ध कराती है, शिक्षक अपने अंदर परंपराओं को संजोते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों के आवेग को समेटते हैं और जो नौजवान विद्यार्थी शैतान होते हैं, उन्हें रास्ते पर लाते हैं। शिक्षक संस्कृति को	

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

	सँभालते है और उसे बेहतर बनाते हैं। अंत में, जैसे मिट्टी मनुष्यों के साथ-साथ सभी जीवों को, जो पृथ्वी के ऊपर और अंदर हैं, आधार उपलब्ध कराती है वैसे ही शिक्षकों पर ही 'समाज' की इमारत खड़ी होती है। पृथ्वी को वास्तविकता का प्रतीक माना जाता है। अपने वृहद् रूप में 'वास्तविकता' में सबकुछ सम्मिलित होता है, जैसे कि वह देखा या महसूस किया जा सकता है, उसे समझा जा सकता है, वह वैज्ञानिक- दार्शनिक या अन्य किसी प्रक्रिया से विश्लेषण करने पर तर्क की कसौटी पर सही नहीं बैठता। *(स्रोत - डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, पुस्तक-विजयी भव, से साभार)*	
(क)	शिक्षक और समाज किसके प्रतीक हैं :- **i.** बीज और पौधे **ii.** मिट्टी और धरती **iii.** मिट्टी और पोषक तत्त्व **iv.** धरती और पौधों के	1
(ख)	शिक्षक विद्यार्थियों के आवेग को समेटते हैं और जो नौजवान विद्यार्थी शैतान होते हैं, उन्हें रास्ते पर लाते हैं। इस पंक्ति से हमें पता चलता है कि शिक्षकों को:- **i.** सारा ज्ञान प्राप्त है। **ii.** समाज की इमारत खड़ी करनी है। **iii.** मानव पीढ़ी की सहायता करनी होती है। **iv.** बाल मनोविज्ञान की समझ होती है।	1
(ग)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - कथन (I) : शिक्षक युवा मन को पहचानते हैं। कथन (II) : शिक्षक मिट्टी की भाँति संरक्षक की भूमिका निभाते हैं। कथन (III) : शिक्षक संस्कृति के संचार के वाहक होते हैं। कथन (IV) : शिक्षक पृथ्वी जैसा भार ढोते हैं। गद्यांश के अनुसार कौन - सा/ से कथन सही हैं ? **i.** केवल कथन (I) और (II) सही हैं। **ii.** केवल कथन (II) सही है। **iii.** केवल कथन (I), (II) और (III) सही हैं।	1

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

	iv. केवल कथन (III) और (IV) सही हैं।	
(घ)	समाज की इमारत से लेखक का क्या अभिप्राय है?	1
(ङ)	शिक्षक को समाज का आधार क्यो माना गया है?	2
(च)	शिक्षक संरक्षक की भूमिका का निर्वहन कैसे करता है?	2
(छ)	मिट्टी की पौधे के लिए क्या भूमिका है? शिक्षक से इसे कैसे जोड़ा गया है?	2
2.	दिए गए पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए :-	**(08)**
	ऊँचे पहाड़ पर, पेड़ नहीं लगते, पौधे नहीं उगते, न घास ही जमती है। जमती है सिर्फ़ बर्फ़, जो कफ़न की तरह सफ़ेद और मौत की तरह ठंडी होती है खेलती, खिलखिलाती नदी, जिसका रूप धारण कर, अपने भाग्य पर बूँद-बूँद रोती है। ऐसी ऊँचाई, जिसका परस, पानी को पत्थर कर दे, ऐसी ऊँचाई, जिसका दरस हीन भाव भर दे, अभिनंदन की अधिकारी है, आरोहियों के लिए आमंत्रण है, उस पर झंडे गाड़े जा सकते हैं, किंतु कोई गौरैया, वहाँ नीड़ नहीं बना सकती, न कोई थका - माँदा बटोही, उसकी छाँव में पल - भर पलक ही झपका सकता है। सच्चाई यह है कि केवल ऊँचाई ही काफ़ी नहीं होती,	

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

	सबसे अलग - थलग, परिवेश से पृथक, अपनों से कटा - बँटा, शून्य में अकेला खड़ा होना, पहाड़ की महानता नहीं, मजबूरी है। ऊँचाई और गहराई में आकाश - पाताल की दूरी है। जो जितना ऊँचा, उतना एकाकी होता है, हर भार को स्वयं ढोता है, चेहरे पर मुस्कानें चिपका, मन ही मन रोता है। (स्रोत:- कविता –ऊँचाई, कवि-अटल बिहारी वाजपेयी)	
(क)	कविता में पहाड़ शब्द किसकी ओर संकेत कर रहा है? **i.** विद्वान **ii.** बड़े लोग **iii.** नायक **iv.** धनी	1
(ख)	कवि के अनुसार पहाड़ की मजबूरी का निहितार्थ क्या है? **i.** अत्यधिक ऊँचा होने से अकेले रह जाना **ii.** बड़े लोग अपने गुणों के कारण अकेले रह जाते हैं **iii.** ऊँचाई – निचाई के अंतर के कारण **iv.** अपनी पहचान बनाए रखने के लिए	1
(ग)	निम्नलिखित में से कविता का मर्म क्या हो सकता है? **i.** पहाड़ की महानता स्थापित करना **ii.** पर्वतों के सौंदर्य को उकेरना **iii.** मानव के एकाकी होने के कारण का विश्लेषण **iv.** मनुष्य के प्रकृति प्रेम की भावाभिव्यक्ति	1
(घ)	कवि के अनुसार आरोहियों के लिए क्या आमंत्रण है?	1
(ङ)	पहाड़ अभिनंदन का अधिकारी क्यों है?	2
(च)	कवि के अनुसार – 'जिसका दरस हीन भाव भर दे' से क्या तात्पर्य है?	2

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

प्रश्न संख्या	**खंड – ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	**अंक (22)**
3.	निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :- • झरोखे से बाहर • दीया और तूफ़ान • एक कामकाजी महिला की शाम	**01x06=06**
4.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :-	**04x02 = 08**
(क)	डेडलाइन किसे कहते हैं?	2
(ख)	रेडियो समाचार की भाषा कैसी होनी चाहिए?	2
(ग)	संपादकीय लेखन से आप क्या समझते हैं?	2
(घ)	फीचर क्या है?	2
(ङ)	बीट किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।	2
5.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :-	**02x04 = 08**
(क)	कहानी का नाटक में रूपांतरण करने के लिए क्या आवश्यक है?	4
(ख)	रेडियो नाटक में संवाद की क्या विशेषताएँ हैं?	4
(ग)	अप्रत्याशित विषयों को लेख का नाम क्यों दिया जाता है?	4
प्रश्न संख्या	**खंड - ग (पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)**	**अंक (40)**
6.	निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-	**05x01=05**
	छोटा मेरा खेत चौकोना	

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

<table>
<tr><td></td><td>कागज़ का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया ।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि:शेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।
झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फुटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से ज़रा भी नहीं कम होती।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना</td><td></td></tr>
<tr><td>(क)</td><td>कवि के अनुसार कागज़ का पन्ना किसका प्रतीक है?
i. बीज
ii. शब्द
iii. क्षण
iv. खेत</td><td>1</td></tr>
<tr><td>(ख)</td><td>कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।
<table>
<tr><th colspan="2">कॉलम 1</th><th colspan="2">कॉलम 2</th></tr>
<tr><td>I</td><td>क्षण का बीज</td><td>(1)</td><td>भावात्मक उद्वेग</td></tr>
<tr><td>II</td><td>अंधड़</td><td>(2)</td><td>असीमित रसास्वादन</td></tr>
<tr><td>III</td><td>कटाई अनंतता की</td><td>(3)</td><td>रचना विचार और अभिव्यक्ति</td></tr>
</table>
i. I-(2), II-(1), III-(3)
ii. I-(1), II-(3), III-(2)
iii. I-(1), II-(2), III-(3)</td><td>1</td></tr>
</table>

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

	iv. I-(3), II-(1), III-(2)	
(ग)	निम्नलिखित में से कविता का मर्म किसे कहा जा सकता है? **i.** खेती की प्रक्रिया **ii.** कवि कर्म के चरण **iii.** आँधी और बीज का संबंध **iv.** कागज़ और खेत की समानता	1
(घ)	निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन: कविता की कटाई अनंतत है। कारण: कविता लिखे जाने के बाद पढ़ने पर सदा रस प्रदान करती है। **i.** कथन सही है, कारण गलत है। **ii.** कथन सही नहीं है, कारण सही है। **iii.** कथन तथा कारण, दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता। **iv.** कथन तथा कारण, दोनों सही हैं, कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(ङ)	कवि के अनुसार उसका कागज़ का पन्ना - रस का अक्षय पात्र क्यों है? **i.** यह चिरकाल तक आनंद देता है **ii.** यह कभी नष्ट नहीं होता **iii.** इसमें अमृत है **iv.** यह अलौकिक है	1
7.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :-	**02x03 = 06**
(क)	आत्मपरिचय कविता में कवि एक ओर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात करता है और दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ- विपरीत से लगते इन कथनों का क्या आशय है?	3
(ख)	'सबसे तेज़ बौछारें गयीं, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने पतंग कविता में दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में करें।	3

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

(ग)	कविता के संदर्भ में 'बिना मुरझाए महकने के माने क्या होते हैं ? कविता के बहाने पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	3
8.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :-	**02x02 = 04**
(क)	कविता- कैमरे में बंद अपाहिज में "हम समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाएँगे"- पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है?	2
(ख)	उषा कविता के प्रस्तुत काव्यांश का भाव-सौंदर्य बताइए- "बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो।"	2
(ग)	लक्ष्मण-मूर्छा और राम का विलाप कविता में शोकग्रस्त वातावरण में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है?	2
9.	निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-	**05x01=05**
	जाति-प्रथा के पोषक जीवन, शारीरिक-सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे 'दासता' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को नहीं कहा जा सकता। 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है। उदाहरणार्थ, जाति-प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना संभव है, जहाँ कुछ लोगों की अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं।	
(क)	लेखक के अनुसार जाति-प्रथा के समर्थक किस अधिकार को देने के लिए राजी नहीं होंगे? **i.** जीवन जीने का अधिकार	1

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

	ii. शारीरिक सुरक्षा **iii.** संपत्ति का अधिकार **iv.** व्यवसाय का चयन	
(ख)	दासता में कौन-सी अवधारणा समिल्लित नहीं है? सही विकल्प का चयन कीजिए:- **i.** स्वाधीनता के साथ जीना **ii.** कानूनी पराधीनता का होना **iii.** इच्छा के विरुद्ध कार्य करना **iv.** दूसरों द्वारा निश्चित कार्य करना	1
(ग)	मनुष्य के प्रभावशाली प्रयोग से लेखक का क्या तात्पर्य है? **i.** दैहिक स्वतंत्रता प्रदान करना **ii.** शारीरिक-सुरक्षा तथा संपत्ति का अधिकार **iii.** अपनी इच्छा से कार्य करने की स्वतंत्रता **iv.** अपनी इच्छा से जाति के चयन का अधिकार	1
(घ)	जीवन, शारीरिक-सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता पर किसी को कोई आपत्ति क्यों नहीं है? **i.** इन अधिकारों को देने के बाद भी दासता की प्रक्रिया बनी रहती है **ii.** क्योंकि स्वतंत्रता सभी को जाति विरोधी नहीं लगती है **iii.** क्योंकि जाति-प्रथा के पोषकों को स्वतंत्र और सुरक्षित रहना प्रिय है **iv.** इसके पश्चात् समाज में दासता को कानूनी मान्यता दी जा सकती है	1
(ङ)	जाति-प्रथा के पोषक से लेखक का क्या आशय है? **i.** जाति के चयन को बढ़ावा देने वाले **ii.** जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देने वाले **iii.** जातिगत भेदभाव के व्यवहार को तिलांजलि देने वाले **iv.** जाति को कानूनी मान्यता देने वाले	1
10.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :-	**02x03 = 06**

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

(क)	जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का आधार क्यों नहीं माना जा सकता? पाठ से उदाहरण देकर समझाइए।	3
(ख)	बाज़ार दर्शन पाठ में कहा गया है कि बाज़ार किसी का लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र नहीं देखता, वह देखता है सिर्फ उसकी क्रय शक्ति को। इस तरह वह एक प्रकार से सामाजिक समता की भी रचना कर रहा है। आप इससे कहाँ तक सहमत हैं?	3
(ग)	पहलवान की ढोलक पाठ में ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ?	3
11.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :-	**02x02 = 04**
(क)	जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया? काले मेघा पानी दे पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।	2
(ख)	भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई?	2
(ग)	अवधूत किसे कहते हैं? शिरीष को कालजयी अवधूत क्यों कहा गया हैं? शिरीष के फूल पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।	2
12.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :-	**02x05=10**
(क)	कहानी सिल्वर वैडिंग में यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों?	5
(ख)	आपके ख्याल से पढ़ाई-लिखाई के सम्बन्ध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का? जूझ कहानी के आधार पर तर्क सहित उत्तर दें।	5
(ग)	अतीत में दबे पाँव पाठ के अनुसार पुरातत्व के किन चिन्हों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि-"सिंधु-सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी?"	5
--x----x----x----x--		

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

अंक योजना

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2025-26

विषय - हिंदी (आधार)

विषय कोड – (302)

कक्षा - बारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80 अंक**

<u>सामान्य निर्देश :-</u>

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	**खंड - क (अपठित बोध)**	**अंक (18)**
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	(10)
(क)	ii मिट्टी और धरती	1
(ख)	iv बाल मनोविज्ञान की समझ होती है।	1
(ग)	iii केवल कथन (I), (II) और (III) सही हैं।	1
(घ)	समाज की संस्कृति एवं जीवन की गुणवत्ता।	1
(ङ)	शिक्षक वह आधार है, जिससे मानव पीढ़ी-दर-पीढ़ी हर प्रकार से सहायता पाता है तथा ज्ञान अर्जित कर काम करता है।	2
(च)	शिक्षक युवा मन को तैयार करते हैं, मार्गदर्शन करते हैं कि वे सफल हों और विकास का केंद्र बनें।	2

(छ)	मिट्टी में सही अनुपात में तत्त्व उपलब्ध होते हैं और जो पौधे उसमें उग रहे हैं, मिट्टी उन्हें पोषक तत्त्व उपलब्ध कराती है, शिक्षक अपने अंदर परंपराओं को संजोते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों के आवेग को समेटते हैं और जो नौजवान विद्यार्थी शैतान होते हैं, उन्हें रास्ते पर लाते हैं।	2
2.	अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न	**(08)**
(क)	Ii बड़े लोग	1
(ख)	ii बड़े लोग अपने गुणों के कारण अकेले रह जाते हैं	1
(ग)	iii मानव के एकाकी होने के कारण का विश्लेषण	1
(घ)	कवि के अनुसार आरोहियों के लिए पहाड़ की ऊँचाई और उसका प्राकृतिक सौंदर्य आमंत्रण का कारक है।	1
(ङ)	पहाड़ को अभिनंदन का अधिकारी उसकी भौगोलिक विशेषताओं के कारण बताया गया है। पेड़ ना लगना, पौधे – घास ना जमना, बहती नदी, अत्यधिक ऊँचाई इत्यादि।	2
(च)	कवि को पहाड़ की ऊँचाई व उसकी अन्य विशेषताओं के समक्ष सभी कुछ लघु लगता है। पहाड़ की ये ऊँचाई तथा विशेषताएँ देखने के बाद व्यक्ति स्वतः हीन भाव से भर जाता है।	2
प्रश्न संख्या	**खंड – ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	**अंक (22)**
3.	दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख :- आरंभ -- 01 अंक विषयवस्तु -- 03 अंक प्रस्तुति -- 01 अंक भाषा -- 01 अंक	**01x06 =06**
4.	किन्हीं **चार** प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर :-	**04x02 = 08**

(क)	अखबार 24 घंटे में एक बार या साप्ताहिक पत्रिका सप्ताह में एक बार प्रकाशित होती है। अखबार या पत्रिका में समाचारों या रिपोर्ट को प्रकाशन के लिए स्वीकार करने की एक निश्चित समय-सीमा होती है, जिसे डेडलाइन कहते हैं।	2
(ख)	• जिसमें आम बोलचाल के शब्दों का प्रयोग हो। • जो समाचारवाचक आसानी से पढ़ सके। • जिसमें आम बोलचाल की भाषा के साथ-साथ सटीक मुहावरों का इस्तेमाल हो। • जिसमें सामासिक और तत्सम शब्दों की बहुलता हो।	2
(ग)	• संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय को अखबार की आवाज़ माना जाता है। • संपादकीय के ज़रिये अखबार किसी घटना, समस्या या मुद्दे के प्रति अपनी राय प्रक ट करते हैं। • संपादकीय किसी व्यक्ति विशेष का विचार नहीं होता इसलिए उसे किसी के नाम के साथ नहीं छापा जाता। • संपादकीय लिखने का दायित्व उस अखबार में काम करने वाले संपादक और उन के सहयोगियों पर होता है। • आमतौर पर अखबारों में सहायक संपादक, संपादकीय लिखते हैं। • कोई बाहर का लेखक या पत्रकार संपादकीय नहीं लिख सकता है। ***उपर्युक्त बिंदु सांकेतिक हैं। अन्य बिंदु विचारणीय व स्वीकार्य हो सकते हैं।***	2
(घ)	• अखबारों में समाचारों के अलावा भी अन्य कई तरह का पत्रकारीय लेखन छपता है । • इनमें फीचर प्रमुख है। • फीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठ कों को सूचना देने, शिक्षित करने के साथ मुख्य रूप से उनका मनोरंजन करना हो ता है।	2
(ङ)	खबरें भी कई तरह की होती हैं– राजनीतिक, आर्थिक, अपराध, खेल, फ़िल्म, कृषि, कानून, विज्ञान या किसी भी और विषय से जुड़ी हुई।	2

	संवाददाताओं के बीच काम का विभाजन आमतौर पर उनकी दिलचस्पी और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। मीडिया की भाषा में इसे बीट कहते हैं। एक संवाददाता की बीट अगर अपराध है तो इसका अर्थ यह है कि उसका कार्यक्षेत्र अपने शहर या क्षेत्र में घटनेवाली आपराधिक घटनाओं की रिपोर्टिंग करना है। अखबार की ओर से वह इनकी रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह भी है। ***उपर्युक्त बिंदु सांकेतिक हैं। अन्य बिंदु विचारणीय व स्वीकार्य हो सकते हैं।***	
5.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर :-	**02x04 = 08**
(क)	• जहाँ कहानी का संबंध लेखक और पाठक से जुड़ता है वहीं नाटक लेखक, निर्देशक, पात्र, दर्शक, श्रोता एवं अन्य लोगों को एक-दूसरे से जोड़ता है। • चूँकि दृश्य का स्मृतियों से गहरा संबंध होता है इसलिए नाटक एवं फ़िल्म को लोग देर तक याद रखते हैं। • यही कारण है कि गोदान, देवदास, उसने कहा था, सद्गति आदि के नाट्य रूपांतरण कई बार हुए हैं और कई तरह से हुए हैं। ***उपर्युक्त बिंदु सांकेतिक हैं। अन्य बिंदु विचारणीय व स्वीकार्य हो सकते हैं।***	4
(ख)	• रेडियो नाटक में संवाद की विशेषताएँ – • रेडियो नाटक में पात्रों संबधी तमाम जानकारी हमें संवादों के माध्यम से ही मिलती हैं। उनके नाम, आपसी संबंध, चारित्रिक विशेषताएँ, ये सभी हमें संवादों द्वारा ही उजागर करना होता है। • भाषा पर भी विशेष ध्यान रखना होगा। वो पढ़ा-लिखा है कि अनपढ़, शहर का है कि गाँव का, क्या वो किसी विशेष प्रांत का है, उसकी उम्र क्या है, वो क्या रोज़गार-धंधा करता है। इस तरह की तमाम जानकारियाँ उस चरित्र की भाषा को निर्धारित करेंगी। • फिर पात्रों का आपसी संबंध भी संवाद की बनावट पर असर डालता है। एक ही व्यक्ति अपनी पत्नी से अलग ढंग से बात करेगा, अपने नौकर से अलग ढंग से, आपने बॉस के प्रति सम्मानपूर्वक रवैया अपनाएगा, तो अपने मित्र के प्रति उसका बराबरी और गरम-जोशी का व्यवहार होगा। • रेडियो क्योंकि मूलतः संवाद प्रधान माध्यम है, इसलिए यहाँ इसका खास ध्यान रखना होता है।	4

	• रेडियो में कौन किससे बात कर रहा है, हम देख नहीं पाते इसलिए संवाद जिस चरित्र को संबोधित है, उसका नाम लेना ज़रूरी होता है, खासतौर पर जब दृश्यों में दो से अधिक पात्र हों। इसके अलावा रेडियो नाटक में कई बार कोई पात्र विशेष जब कोई हरकत, कोई एक्शन करता है तो उसे भी संवाद का हिस्सा बनाना पड़ता है।	
(ग)	अप्रत्याशित विषयों हम जो कुछ लिखेंगे, वह कभी निबंध बन पड़ेगा, कभी संस्मरण, कभी रेखाचित्र की शक्ल लेगा, तो कभी यात्रावृत्तांत की। इसीलिए हम उसे एक सामान्य नाम देंगे- लेख, ताकि ऐसा न लगे कि किसी विधा विशेष के भीतर ही लेखन करने का दबाव बन रहा है। ***उपर्युक्त बिंदु सांकेतिक हैं। अन्य बिंदु विचारणीय व स्वीकार्य हो सकते हैं।***	4
प्रश्न संख्या	**खंड - ग (पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)**	**अंक (40)**
6.	काव्यांश - पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उत्तर :-	**05x01 =05**
(क)	iv खेत	1
(ख)	iv I-(3), II-(1), III-(2)	1
(ग)	ii कवि कर्म के चरण	1
(घ)	iv कथन तथा कारण, दोनों सही हैं, कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(ङ)	i यह चिरकाल तक आनंद देता है	1
7.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर :-	**02x03 = 06**
(क)	कविता में एक ओर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात करता है इसका आशय मनुष्य की सामजिकता से है| मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है इसलिए उसे सांसारिक दायित्वों का निर्वाह करना पड़ता है जैसे कवि कर रहे हैं| जीवन में दुख-सुख दोनों ही आते हैं। मनुष्य को अनेक कष्टों का सामना करना पड़ता है परन्तु वह इस जीवन से अलग नहीं हो सकता। दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ का आशय अन्य लोगों द्वारा किए गए आलोचना से है| कवि इसे हृदयहीन और स्वार्थी मानते हैं| वह अपनी मस्ती में रहते हैं और जहाँ तक हो सके प्रेम बाँटने की कोशिश करते हैं।	3

(ख)	सबसे तेज़ बौछारें तथा भादों के जाने के बाद सवेरा हुआ जो अत्यंत लालिमा और सुंदरता से परिपूर्ण था। वह सवेरा खरगोश की आँखों के समान लाल रंग का था। वातावरण स्वच्छ व धुला हुआ दिखाई देता है। धूप चमकीली होने लगी और फूलों पर तितलियाँ मंडराने लगीं। जब बच्चे के रंग-बिरंगे पतंग आकाश में उड़ाने लगे तो चारों ओर सीटियों और किलकारियों की आवाज़ गूंज उठी तथा तितलियों ने मधुर गुंजार शुरू कर दिया।	3
(ग)	कवि कहता है कि फूल एक निश्चित समय पर खिलते हैं। उनका जीवन भी निश्चित होता है, परंतु कविता के खिलने का कोई निश्चित समय नहीं होता है। उसकी जीवन अवधि असीमित है। वे कभी नहीं मुरझाती। उनकी कविताओं की महक सदैव फैलती रहती है।	3
8.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर :-	**02x02 = 04**
(क)	'हम समर्थ शक्तिमान' पंक्ति के माध्यम से मीडिया की ताकत व कार्यक्रम संचालकों की मानसिकता का पता चलता है। मीडिया कमी या मीडिया-संचालक अपने प्रचार-प्रसार की ताकत के कारण किसी का भी मजाक बना सकते हैं तथा किसी को भी नीचे गिरा सकते हैं। चैनल के मुनाफ़े के लिए संचालक किसी की करुणा को भी बेच सकते हैं। कार्यक्रम का निर्माण व प्रस्तुति संचालकों की मर्जी से होता है।	2
(ख)	कवि कहता है कि जिस प्रकार ज्यादा काली सिर अर्थात् पत्थर पर थोड़ा-सा केसर डाल देने से वह धुल जाती है अर्थात् उसका कालापन खत्म हो जाता है, ठीक उसी प्रकार काली सिर को किरण रूपी केसर धो देता है अर्थात् सूर्योदय होते ही हर वस्तु चमकने लगती है।	2
(ग)	हनुमान लक्ष्मण के इलाज के लिए संजीवनी बूटी लाने हिमालय पर्वत गए थे। उन्हें आने में देर हो रही थी। लक्ष्मण-मूर्छा के बाद पूरा माहौल शोकग्रस्त हो गया था। समस्त भालू-वानर सेना राम को देख अत्यंत दुखी थे। जैसे ही हनुमान जी संजीवनी बूटी लेकर शोक-सभा में पहुँचे तो वे पूरा का पूरा पर्वत ही अपने हाथ पर उठा लाए थे। हनुमान को देख राम तथा समस्त जन थोड़े खुश हुए तथा शीघ्र ही वैद्य जी ने लक्ष्मण को संजीवनी बूटी पिलाई तो लक्ष्मण उठ खड़े हुए। राम सहित पूरी वानर-सेना खुश हो गई। इस प्रकार शोक-ग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को वीर रस का आविर्भाव कहा गया है।	2
9.	गद्यांश - पर आधारित प्रश्नों के उत्तर :-	**05x01 =05**
(क)	iv व्यवसाय का चयन	1

(ख)	i स्वाधीनता के साथ जीना	1
(ग)	iii अपनी इच्छा से कार्य करने की स्वतंत्रता	1
(घ)	i इन अधिकारों को देने के बाद भी दासता की प्रक्रिया बनी रहती है	1
(ङ)	ii जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देने वाले	1
10.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर :-	**02x03 = 06**
(क)	जातिप्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे आंबेडकर के निम्नलिखित तर्क हैं – • जाति प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिक विभाजन भी कराती है। सभ्य समाज में श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में विभाजन अस्वाभाविक है। • जाति प्रथा में श्रम विभाजन मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। इसमें मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा निजी क्षमता का विचार किए बिना किसी दूसरे के द्वारा उसके लिए पेशा निर्धारित कर दिया जाता है। यह जन्म पर आधारित होता है। • भारत में जाति प्रथा मनुष्य को जीवन भर के लिए एक पेशे में बाँध देती है, भले ही वह पेशा उसके लिए अनुपयुक्त या अपर्याप्त क्यों न हो। इससे उसके भूखों मरने की नौबत आ जाती है।	3
(ख)	यह बात बिलकुल सत्य है कि बाजारवाद ने कभी किसी को लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर नहीं देखा। उसने केवल व्यक्ति के खरीदने की शक्ति को देखा है। जो व्यक्ति सामान खरीद सकता है वह बाजार में सर्वश्रेष्ठ है। कहने का आशय यही है कि उपभोक्तावादी संस्कृति ने सामाजिक समता स्थापित की है। यही आज का बाजारवाद है।	3
(ग)	महामारी की त्रासदी से जूझते हुए ग्रामीणों को ढोलक की आवाज संजीवनी शक्ति की तरह मौत से लड़ने की प्रेरणा देती थी। यह आवाज बूढ़े-बच्चों व जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य उपस्थित कर देती थी। उनकी स्पंदन शक्ति से शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी। ठीक है कि ढोलक की आवाज में बुखार को दूर करने की ताकत न थी, पर उसे सुनकर मरते हुए प्राणियों को अपनी आँखें मूंदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती	3

	थी। उस समय वे मृत्यु से नहीं डरते थे। इस प्रकार ढोलक की आवाज गाँव वालों को मृत्यु से लड़ने की प्रेरणा देती थी।	
11.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर :-	**02x02 = 04**
(क)	जीजी के अनुसार मनुष्य के पास जो चीज़ ना हो और वह उसका त्याग करके किसी और को देता है**,** तो उसका बहुत अच्छा फल मिलता है। इंदर सेना ऐसे समय में पानी की माँग करती थी**,** जब लोगों के पास स्वयं पानी नहीं हुआ करता था। लोग अपने घरों से निकाल-निकालकर पानी देते थे। लेखक को पानी की यह बर्बादी पसंद नहीं थी। ***उपर्युक्त बिंदु सांकेतिक हैं। अन्य बिंदु विचारणीय व स्वीकार्य हो सकते हैं।***	2
(ख)	भक्तिन के आ जाने के बाद महादेवी को देहात की संस्कृति, खान-पान, रहन-सहन, वेश-भूषा आदि का ज्ञान हो गया क्योंकि भक्तिन के अंदर दूसरों को बदल देने के गुण भरपूर मात्रा में विद्यमान थे। भक्तिन भोजन में मीठा बनाना बंद कर दिया। वह गाढ़ी दाल, मोटी रोटी, मकई की लपसी, ज्वार के भुने हुए, भुट्टे के हरे-हरे दाने की खिचड़ी, बाजरे के तिल वाले ठंढे पुए आदि बनाती। महादेवी वर्मा बार-बार प्रयास करके भी उसके स्वभाव को परिवर्तित नहीं कर पायीं और धीरे-धीरे उनका स्वाद बदल गया। इसलिए भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती हो गई।	2
(ग)	'अवधूत' वह है जो सांसारिक मोह माया से ऊपर होता है। वह संन्यासी होता है। लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत कहा है क्योंकि वह कठिन परिस्थितियों में भी फलता-फूलता रहता है। भयंकर गर्मी, लू, उमस आदि में भी शिरीष का पेड़ फलों से लदा हुआ मिलता है।	2
12.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर :-	**02x05 =10**
(क)	यशोधर बाबू के माता पिता का देहांत बचपन में ही हो गया था, इसलिए वह बचपन से ही ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबे थे। वह बचपन में अपनी उम्र के बच्चों के साथ नहीं बल्कि बड़े बुज़ुर्गों के साथ रहते थे।पले बढ़े अत: वह उन परंपराओं को छोड़ नहीं सकते थे। यशोधर बाबू अपने आदर्श किशन दा से अधिक प्रभावित है और आधुनिक परिवेश में बदलते हुए जीवन मूल्यों और संस्कारों के विरुद्ध है। जबकि उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ खड़ी दिखाई देती है वह अपने बच्चों के आधुनिक दृष्टिकोण से प्रभावित है। वे बेटी के कहे अनुसार नए कपड़े पहनती है। वह अपने बेटों की जीवन में कोई ताँक-झाँक नहीं करती। यशोधर बाबू की पत्नी आज की आधुनिकता के हिसाब से रहती है और समय में परिवर्तन होता देख	5

	ख़ुद में भी परिवर्तन लाने का प्रयास करती है परंतु यशोधर बाबू भी पुराने रीति रिवाज़ों में बंधकर रहते हैं। ***उपर्युक्त बिंदु सांकेतिक हैं। अन्य बिंदु विचारणीय व स्वीकार्य हो सकते हैं।***	
(ख)	इस पाठ के सन्दर्भ में हम अगर लेखक के पिता जी और दत्ता जी राव का पढ़ाई-लिखाई के सम्बन्ध में रवैया देखें तो पता चलता है कि दत्ता जी राव का रवैया लेखक के पिता जी से बेहतर था। वह पढ़ाई-लिखाई के महत्त्व को भली-भांति जानते थे इसलिए जब दत्ता जी को पता चला कि लेखक के पिता उसे पढ़ने के लिए पाठशाला नहीं जाने देते तो उन्होंने लेखक के पिता को बहुत भला-बुरा सुनाया और कहा की बेटे और पत्नी को खेतो में काम में लगा कर तू पूरा दिन क्या करता हैं, तू कल से बेटे को पढ़ने भेजेगा अगर तेरे पास फीस के पैसे नहीं है तो मैं उसकी फीस दूंगा। दत्ता जी के सामने लेखक के पिता ने 'हां' तो के दी पपर बाद में वे आनंद को स्कूल भेजने के पक्ष में नहीं थे। जिससे ज्ञात होता है कि पिता जी का रवैया पढ़ाई-लिखाई के प्रति ठीक नहीं था।	5
(ग)	पुरातत्ववेत्ताओं ने जो भी खुदाई की और खोज की। उसमें उन्हें मिट्टी के बर्तन, सिक्के, मूर्तियाँ, पत्थर और लकड़ी के उपकरण मिले। इन चित्रों के फलस्वरूप यही बात सामने आई कि लोग समय के अनुरूप इन वस्तुओं का उपभोग करते थे। दूसरा उनकी नगर योजना भी उनकी समझ का पुख्ता प्रमाण है। आज की नगर योजना भी उनकी योजना के समकक्ष नहीं ठहरती। जो कुछ उन्होंने नगरों, गलियों, सड़कों को साफ़-सुथरा रखने की विधि अपनाई, वह उनकी समझ को ही दर्शाती है। ***उपर्युक्त बिंदु सांकेतिक हैं। अन्य बिंदु विचारणीय व स्वीकार्य हो सकते हैं।***	5
--x----x----x----x--		